

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, चर्च और अंतिम बातें, सत्र 4, पुराने नियम में परमेश्वर के लोग, भाग 2

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा चर्च के सिद्धांतों और अंतिम बातों पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र संख्या चार है, पुराने नियम में परमेश्वर के लोग, भाग 2।

हम चर्च के सिद्धांत पर अपना अध्ययन जारी रखते हैं, पुराने नियम के परमेश्वर के लोगों का अनुसरण करते हुए अन्य विषयों की तुलना में अधिक विस्तार से चर्चा करते हैं।

हम दाऊद की वाचा पर पहुँच चुके हैं। दूसरा शमूएल 7 बाइबल के सबसे महत्वपूर्ण अध्यायों में से एक है, हालाँकि इसे शायद बहुत ज़्यादा नज़रअंदाज़ किया गया है, क्योंकि इसमें दाऊद को एक शाश्वत राजवंश देने का परमेश्वर का वादा दर्ज है, जिसे दाऊद की वाचा के नाम से जाना जाता है। हालाँकि दाऊद से परमेश्वर के वादे का वर्णन करने के लिए शब्द वाचा दूसरे शमूएल 7 में नहीं आता है, लेकिन अन्य शास्त्रों में इसे इसी तरह संदर्भित किया गया है।

2 शमूएल 23:5, 1 राजा 8:23, 2 इतिहास 13:5, भजन 89:3, 28, 34, और 39, यशायाह 55:3, यिर्मयाह 33:21। एक बार फिर, 2 शमूएल 23:5, 1 राजा 8:23, 2 इतिहास 13:5, भजन 89:3, 28, 34, और 39, यशायाह 55:3, यिर्मयाह 33:21। अध्याय दो भागों में विभाजित है, परिस्थितियाँ और वाचा की स्थापना, नंबर एक, और दो, दाऊद की कृतज्ञता की प्रार्थना। जब दाऊद एक महल में रहता था, जो देवदार से बना एक घर था, तो उसने नबी नाथन के साथ अपना बोझ साझा किया कि परमेश्वर एक तम्बू में रहता है। यह दाऊद को सही नहीं लगा।

उसने परमेश्वर के लिए एक घर और एक मंदिर बनाने का प्रस्ताव रखा, और नबी नातान ने खुद से बात करते हुए सोचा कि यह एक अच्छा विचार है। हालाँकि, प्रभु ने अन्यथा सोचा और दाऊद से कहा कि वह परमेश्वर के लिए एक घर नहीं बनाएगा, बल्कि परमेश्वर दाऊद के लिए एक घर, शब्दों का खेल, एक राजवंश बनाएगा, 2 शमूएल 7:1-11। परमेश्वर ने दाऊद को याद दिलाया कि उसने उसे चरवाहे से लिया और उसे परमेश्वर के लोगों का नेता बना दिया।

प्रभु हमेशा दाऊद के साथ रहे थे और अब उन्होंने उसे उसके शत्रुओं से विश्राम दिया है। परमेश्वर ने दाऊद के नाम को महान बनाने की प्रतिज्ञा की, एक ऐसा सम्मान जो पहले केवल अब्राहम को दिया जाता था, उत्पत्ति 26-24, और मूसा को, संख्या 12:7-8। प्रभु ने वादा किया, उद्धरण, मैं अपने लोगों इस्राएल के लिए एक स्थान निर्धारित करूँगा और उन्हें बसाऊँगा, 2 शमूएल 7:10।

क्षमा करें, मैं ESV करने जा रहा हूँ। मैं अपने लोगों इस्राएल के लिए एक स्थान नियुक्त करूँगा और उन्हें रोपूँगा ताकि वे अपने स्थान पर बसे रहें और फिर कभी परेशान न हों। 2 शमूएल 7:10.

यह यरूशलेम था, दाऊद का शहर। यह वादा अब्राहमिक वाचा की भूमि विशेषता को याद दिलाता है। परमेश्वर ने इस्राएल को उन सीमाओं के भीतर बसाने के लिए एक स्थान निर्धारित किया है जिसकी शपथ उसने अब्राहम से ली थी।

दोनों वाचाएँ स्थायी वंशजों का भी वादा करती हैं। जैसा कि वाल्टके ने समझाया, उद्धरण, डेविडिक वाचा अब्राहमिक वाचा का भी पूरक है। मैं हूँ, जिस तरह से वाल्टके ईश्वर, यहोवा को संदर्भित करता है, वह अब्राहम और डेविड दोनों को एक शाश्वत वंश, अब्राहम को एक स्थायी राष्ट्र, और डेविड को उस राष्ट्र पर शासन करने के लिए एक स्थायी राजवंश का वादा करता है।

वास्तव में, दाऊद का शाश्वत राजवंश उन राजाओं की मध्यस्थता करता है जिन्हें मुझे अब्राहम और सारा के अपने शरीर से देने का वादा किया गया है। उद्धरण बंद करें। वाल्टके और ओल्ड टेस्टामेंट थियोलॉजी, पृष्ठ 693।

परमेश्वर ने दाऊद से कहा कि वह परमेश्वर के लिए भवन नहीं बनाएगा, बल्कि दाऊद ने उससे कहा कि वह परमेश्वर के लिए भवन नहीं बनाएगा। दाऊद की मृत्यु के बाद, परमेश्वर उसके पुत्र सुलैमान का राज्य स्थापित करेगा। परमेश्वर ने वचन दिया।

2 शमूएल 7:13. वह मेरे नाम के लिए एक भवन बनाएगा, और मैं उसकी राजगद्दी को सदैव स्थिर रखूंगा। जबकि परमेश्वर ने शाऊल को उसकी हठीली अवज्ञा के कारण राजपद से खारिज कर दिया था, परमेश्वर दाऊद के साथ अलग तरह से व्यवहार करेगा।

मैं उसका पिता ठहरूंगा और वह मेरा पुत्र ठहरेगा। जब वह अधर्म करेगा, तब मैं उसे मनुष्यों की छड़ी से, और मनुष्यों के समान मार से दण्ड दूंगा; परन्तु मेरी करुणा उस पर से न हटेगी, जैसे कि मैं ने शाऊल पर से हटा ली, जिसे मैं ने तेरे साम्हने से दूर कर दिया। 2 शमूएल 7, पद 14 और 15।

वाल्टके एक महत्वपूर्ण शर्त देते हैं। जबकि वाचा, उद्धरण, बिना शर्त है, राजा का इसके आशीर्वाद का अनुभव मूसा की वाचा के प्रति उसकी आज्ञाकारिता पर निर्भर करता है। बिना शर्त वाली डेविडिक वाचा डेविड के वंशजों को दस आज्ञाओं की नैतिक सीमाओं की परवाह किए बिना अपनी मर्जी से काम करने की छूट नहीं देती है।

यहाँ दाऊद की वाचा का हृदय और आत्मा लिखा है - पद 16. और तेरा घराना और तेरा राज्य मेरे सामने सदैव अटल बना रहेगा।

तुम्हारा सिंहासन हमेशा के लिए स्थापित रहेगा। पिता-पुत्र के रिश्ते के परिणामस्वरूप दाऊद का सिंहासन हमेशा के लिए जारी रहेगा, जैसा कि विनोय रेखांकित करता है और उद्धृत करता है। फिर प्रभु ने वादा दोहराया कि दाऊद का शाही वंश हमेशा के लिए कायम रहेगा। 2 शमूएल के 7:16।

आरंभिक और दूरगामी वादा, यह चौंकाने वाला और दूरगामी वादा उचित रूप से मैट्रिक्स को परिभाषित करता है, जिसे गॉर्डन ने बाइबिल के मसीहवाद का मैट्रिक्स कहा है, जो

भविष्यद्वक्ताओं और भजनकारों के लेखन में मसीहाई आशा के बाद के विकास के लिए आधार प्रदान करता है और यीशु मसीहा में अपनी अंतिम पूर्ति पाता है, जो डेविड और अब्राहम का वंशज है। मैथ्यू 1:1, वनोय, प्रथम और द्वितीय शमूएल, प्रथम और द्वितीय शमूएल पर उनकी टिप्पणी, टिंडेल हाउस। परमेश्वर ने दाऊद के साथ एक वाचा बाँधी, उसे एक शाश्वत राजवंश का वादा किया, जो यीशु मसीह के शासन में परिणत हुआ।

परमेश्वर का अद्भुत वादा दाऊद को नम्र बनाता है, क्योंकि अपनी स्तुति की प्रार्थना में, वह खुद को 10 बार परमेश्वर का सेवक कहता है। दाऊद ने कहा, हे प्रभु परमेश्वर, आप महान हैं। आपके जैसा कोई नहीं है, और आपके अलावा कोई परमेश्वर नहीं है।

पद 22, दाऊद आश्चर्य से पूछता है, आपके लोगों, इस्राएल के समान कौन है, पृथ्वी पर एकमात्र राष्ट्र जिसे परमेश्वर ने अपने लोगों के रूप में छुड़ाने के लिए गया, अपने आप को एक नाम बनाया और उनके लिए महान और भयानक काम किए, अपने लोगों के सामने से जिन्हें आपने मिस्र से अपने लिए छुड़ाया था, एक राष्ट्र और उसके देवताओं को, और आपने स्वयं अपने लोगों इस्राएल को हमेशा के लिए अपने लोगों के रूप में स्थापित किया। और आप, हे प्रभु, उनके परमेश्वर बन गए। दाऊद ने यहोवा पर भरोसा करके अपनी प्रार्थना समाप्त की कि वह दाऊद और इस्राएल से अपने वादों को पूरा करेगा।

2 शमूएल 7:25 से 29. आज तक, वाकी को फिर से उद्धृत करते हुए, मैं चुना हुआ राजा हूँ और दाऊद के अनन्त पुत्र, यीशु मसीह में वाचा के वादों की पूर्ति के माध्यम से प्रसिद्ध हूँ, जिसका सिंहासन स्वर्गीय यरूशलेम में एक अनन्त राज्य पर शासन करता है जो आज पृथ्वी को घेरे हुए है। उद्धरण बंद करें।

वाकी *ओल्ड टेस्टामेंट थियोलॉजी* पेज 661. मसीह आध्यात्मिक रूप से शासन करता है और हम नई पृथ्वी पर उसकी पूर्ति की प्रतीक्षा करते हैं जहाँ अब कोई अभिशाप नहीं होगा। परमेश्वर और मेमने का सिंहासन शहर में होगा, और उसके सेवक उसकी आराधना करेंगे।

प्रकाशितवाक्य 22:3. नई वाचा। यह पिछली वाचाओं का मुकुट है, टेलोस जिसकी ओर वे इशारा करते हैं। लेन हमें बताते हैं कि क्यों विलियम लेन, *इब्रानियों 1 से 8*, वर्ड बाइबिलिकल कमेंट्री।

उद्धरण, इस प्रकार नई वाचा परमेश्वर और उसके लोगों के बीच के रिश्ते को साकार करती है, जो सभी वाचा संबंधी प्रकटीकरण का मूल है। उद्धरण बंद करें। यह सत्य है जैसा कि निम्नलिखित उद्धरण दिखाते हैं।

अब्राहमिक वाचा। मैं अब दिखा रहा हूँ कि परमेश्वर और उसके लोगों के बीच का रिश्ता हर वाचा का दिल है। अब्राहमिक वाचा।

उद्धरण, यह एक स्थायी वाचा है। तुम्हारा परमेश्वर और तुम्हारे बाद तुम्हारी संतानों का परमेश्वर होना। उत्पत्ति 17:7. मोज़ेक वाचा।

मैं तुम्हें अपनी प्रजा बनाऊँगा। मैं तुम्हारा परमेश्वर बनूँगा। निर्गमन 6:7. दाऊद की वाचा।

दाऊदवंशीय राजा के विषय में परमेश्वर कहता है, "मैं उसका पिता ठहरूंगा। वह मेरा पुत्र ठहरेगा।" 2 शमूएल 7:13.

नई वाचा। मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे। यिर्मयाह 31:31.

मेरा अनुमान है कि सभी उद्धारक या उद्धारक वाचाओं में से यह कहना उचित है कि उद्धार की वाचाएँ, नई वाचा की जड़ें, पुराने नियम में हैं, विशेष रूप से यिर्मयाह 31:31 से 34 में। अन्य पुराने नियम के पाठ नई वाचा के बारे में नई वाचा शब्द का उपयोग किए बिना बात करते हैं, जिसमें यिर्मयाह 32:40, यहजेकेल 36:24 से 27, योएल 2:28, 29 शामिल हैं, जिनकी तुलना व्यवस्थाविवरण 30:1 से 10 से की जाती है। इसलिए, यद्यपि यिर्मयाह 31 एक प्रसिद्ध मार्ग है क्योंकि यह नई वाचा शब्द का उपयोग करता है और इब्रानियों 8 में लगभग पूर्ण रूप से उद्धृत किया गया है कि यिर्मयाह 31:31 से 34 पाठ, अन्य पुराने नियम के मार्ग नई वाचा के विषय से संबंधित हैं, नई वाचा शब्दों के बिना।

यिर्मयाह 32:40, यहजेकेल 36:24 से 27, योएल 2:28, 29, व्यवस्थाविवरण 30:1 से 10. यिर्मयाह 31:34 हमारे ध्यान के योग्य है। परमेश्वर ने यिर्मयाह को अध्याय 1 के आरंभ में बुलाया। देखो, मैंने आज तुम्हें राष्ट्रों और राज्यों पर नियुक्त किया है कि तुम उन्हें उखाड़ फेंको और ढा दो, नष्ट करो और ध्वस्त करो, निर्माण करो और रोपो।

यिर्मयाह 1:3. यिर्मयाह की भविष्यवाणी के अध्याय 2 से 29 में उखाड़ने और गिराने, नष्ट करने और ध्वस्त करने की बात कही गई है। अध्याय 30 से 33 को सांत्वना की पुस्तक के रूप में जाना जाता है और अच्छे कारण से, क्योंकि वे निर्माण और रोपण के बारे में बात करते हैं। अध्याय 30 और 32 में, परमेश्वर बाबुल में बंदी इस्राएल को वादा किए गए देश में वापस लाने का वादा करता है।

यिर्मयाह 31 इन अध्यायों के बीच में है और यह पद 31 से 34 में नए करार के अंश के लिए उचित रूप से प्रसिद्ध है, जो परमेश्वर के लोगों के लिए भविष्य की आशा प्रदान करता है। थॉम्पसन ने जेए थॉम्पसन, *द बुक ऑफ यिर्मयाह*, निकोट, 565 की प्रशंसा की। उद्धरण, यिर्मयाह में नए करार का अंश सभी भविष्यवाणियों के साहित्य में सबसे गहरी अंतर्दृष्टि में से एक का प्रतिनिधित्व करता है और प्रारंभिक ईसाइयों के लिए बहुत महत्वपूर्ण बन गया।

इब्रानियों 8:8 से 9:28, 2 कुरिन्थियों 3:5 से 18 की तुलना करें। थॉम्पसन को उद्धृत करते हुए, इब्रानियों 8:8 से अध्याय 8:8 से 9:28, 2 कुरिन्थियों 3:5 से 18। आइए हम यिर्मयाह 31 से 34 की विस्तार से जाँच करें।

यहोवा की यह वाणी है, देखो, ऐसे दिन आ रहे हैं जब मैं इस्राएल और यहूदा के घरानों से नई वाचा बाँधूँगा, उस वाचा के समान नहीं जो मैंने उनके पूर्वजों से उस दिन बाँधी थी जब मैं उनका हाथ पकड़कर उन्हें मिस्र देश से बाहर ले आया था। यहोवा की यह वाणी है कि यद्यपि मैं उनका पति था, फिर भी उन्होंने मेरी वाचा तोड़ दी, क्योंकि यह वही वाचा है जो मैं उन दिनों के बाद

इस्राएल के घराने से बाँधूँगा, यहोवा की यह वाणी है। मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में डालूँगा, और उसे उनके हृदय पर लिखूँगा, और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा, और वे मेरे लोग ठहरेंगे।

और अब कोई अपने पड़ोसी और अपने भाई को यह नहीं सिखाएगा कि प्रभु को जानो, क्योंकि वे सब मुझे जान लेंगे, छोटे से लेकर बड़े तक, प्रभु की यही वाणी है। क्योंकि मैं उनके अधर्म को क्षमा करूँगा, और उनके पाप को फिर स्मरण न करूँगा। यद्यपि आरंभिक शब्द, दिन आ रहे हैं, अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों के लिए उपयोग किए जाते हैं, अल्पकालिक और दीर्घकालिक के लिए, यहाँ वे स्पष्ट रूप से उत्तरार्द्ध के लिए उपयोग किए जाते हैं।

इब्रानियों 8 में यिर्मयाह 31 का पूरा हवाला दिया गया है, ताकि यह तर्क दिया जा सके कि मसीह नई वाचा का मध्यस्थ है। दिनों की अल्पकालिक पूर्ति आ रही है, और बेबीलोन का विनाश यिर्मयाह 51:47 से 49 में है। दीर्घकालिक, परमेश्वर द्वारा दाऊद के लिए एक धर्मी शाखा को खड़ा करना, यिर्मयाह 23:5। यहाँ, हालाँकि यह वाक्यांश अस्पष्ट है, दिन आ रहे हैं अल्पकालिक या दीर्घकालिक हो सकता है, यह स्पष्ट रूप से दीर्घकालिक है क्योंकि इब्रानियों 8 में मसीह के नए वाचा के मध्यस्थ होने के संदर्भ में इस नई वाचा के अंश का उद्धरण दिया गया है।

भविष्यवक्ता भविष्यवाणी करता है कि परमेश्वर अपने लोगों के साथ एक नई वाचा बाँधेगा, जिसे इस्राएल और यहूदा के नाम से जाना जाएगा, यिर्मयाह 31:31। इंजीलवादी इस्राएल के भविष्य के बारे में असहमत हैं, हालाँकि रोमियों 11:25 से 32 यह सिखाते हैं कि जातीय इस्राएल का भविष्य है, और इब्रानियों 8 यिर्मयाह की नई वाचा के अंश को उद्धृत करता है ताकि नई वाचा पुरानी वाचा से श्रेष्ठ दिखाई दे। यिर्मयाह 31:32 सिखाता है कि नई वाचा उस पुरानी वाचा से श्रेष्ठ होगी जिसे परमेश्वर ने इस्राएलियों को मिस्र से छुड़ाने के बाद उनके साथ बाँधा था।

मूसा की वाचा इसलिए घटिया थी क्योंकि इस्राएल ने इसे तोड़ा था, आयत 32. इब्रानियों ने पुरानी वाचा की घटियापन के लिए एक और कारण बताया है। लेन ने संक्षेप में कहा, उद्धरण, पुरानी वाचा का सुपर सेशन केवल लोगों द्वारा वाचा की शर्तों के प्रति विश्वासघात के कारण नहीं था।

ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि परमेश्वर के छुटकारे के उद्देश्य का एक नया खुलासा हुआ था, जिसने परमेश्वर की ओर से नई वाचा की कार्रवाई की मांग की, उद्धरण बंद करें। लेन, इब्रानियों पर टिप्पणी, पृष्ठ 208। इसलिए, इब्रानियों का कहना है कि यीशु एक बेहतर वाचा का मध्यस्थ है, जिसे बेहतर वादों पर स्थापित किया गया है, इब्रानियों 8, 6। इसके अलावा, क्योंकि मसीह हमारा, उद्धरण, महायाजक है जो स्वर्ग में महिमा के सिंहासन के दाहिने हाथ पर बैठा है, इब्रानियों 8:1, जिस नई वाचा का वह मध्यस्थ है, उसने पुरानी वाचा को अप्रचलित कर दिया है, पद 13।

यिर्मयाह फिर नई वाचा की शर्तें बताता है, जिसे मैं पहले ही लिख चुका हूँ, यिर्मयाह 31:33 से 34 तक पढ़िए। प्रभु अपने लोगों से चार वादे करता है। वह अपने नियम उनके दिलों में डालेगा।

हम उनके साथ व्यक्तिगत संबंध स्थापित करेंगे। उसके सभी लोग उसे जानेंगे, और वह उनके पापों को क्षमा करेगा। चार वादे।

पहला, परमेश्वर उनके दिलों में अपना नियम डालेगा। वह उनके साथ एक निजी रिश्ता बनाएगा। तीसरा, उसके सभी लोग उसे जानेंगे।

चौथा, वह उनके पापों को क्षमा कर देगा। पुराने नियम की तुलना में नए नियम की श्रेष्ठता को सिखाने के बाद, हमें उनकी निरंतरता को नहीं भूलना चाहिए। वाल्टके, *ओल्ड टेस्टामेंट थियोलॉजी*, 438, 40, 39।

सबसे पहले, वे दोनों इस्राएल को दिए गए थे, हालाँकि इब्रानियों 8 हमें सिखाता है कि इस्राएल का घराना और यहूदा का घराना अंततः विश्वास करने वाले यहूदियों और गैर-यहूदियों की बात करते हैं जो कलीसिया का हिस्सा हैं। दूसरा, पुराने और नए दोनों वाचाओं की संस्था छुटकारे के बाद आई। पुराने वाचा ने मिस्र से छुटकारे के बाद की।

नया नियम बेबीलोन से छुटकारे के बाद लागू हुआ, यिर्मयाह 30, 31. तीसरा, दोनों नियम मृत्यु के बाद ही लागू हुए। पुराने नियम में, यह बलि के जानवरों की मृत्यु के बाद लागू होता था।

नया करार, मसीह की मृत्यु। चौथा और सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि करारों की आवश्यक सामग्री एक ही है। यिर्मयाह लिखते हैं, उद्धरण, यह वही करार है जो मैं उन दिनों के बाद इस्राएल के घराने से बाँधूँगा, यहोवा की यही वाणी है।

मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में रखूँगा और उसे उनके हृदय पर लिखूँगा। यिर्मयाह 31:33, लेन समझाते हैं, उद्धरण, नई वाचा में निहित नवीनता की गुणवत्ता, यह परमेश्वर की व्यवस्था को प्रस्तुत करने के नए तरीके में निहित है, न कि विषय-वस्तु की नवीनता में। परमेश्वर के लोग प्रभु की व्यवस्था और ज्ञान में आंतरिक रूप से स्थापित होंगे।

नए करार के माध्यम से परमेश्वर के प्रति मानवीय प्रतिक्रिया की आंतरिक गुणवत्ता पर जोर दिया गया है, उद्धरण समाप्त। लेन, *इब्रानियों 1 से 8*, 209। बाइबिल धर्मशास्त्र में यिर्मयाह का मुख्य नया योगदान उसके नए करार के अंश में है, जो निश्चित रूप से, जैसा कि हम कह रहे हैं, बाइबिल धर्मशास्त्र में यिर्मयाह का मुख्य योगदान इस नए करार के अंश में पाया जाता है।

यिर्मयाह 31:31 से 34. नई वाचा परमेश्वर और उसके लोगों के बीच के रिश्ते को पूर्ण करती है जो अब्राहम से शुरू होने वाली सभी वाचाओं का मूल रहा है। यीशु मसीह अपनी मृत्यु और पुनरुत्थान के द्वारा नई वाचा की पुष्टि करता है ताकि वह इसका एकमात्र मध्यस्थ हो, जैसा कि इब्रानियों ने घोषणा की है।

इब्रानियों 8:6. लेकिन यीशु ने अब एक बेहतर सेवकाई प्राप्त की है, और उस हद तक, वह एक बेहतर वाचा का मध्यस्थ है, जो बेहतर वादों पर स्थापित की गई है। इब्रानियों 8:6. इब्रानियों 9:15. विश्वासी यीशु के पास आते हैं, इसलिए खेद है कि वह एक नई वाचा का मध्यस्थ है ताकि जो लोग बुलाए गए हैं वे अनन्त विरासत का वादा प्राप्त कर सकें क्योंकि पहली वाचा के तहत किए गए अपराधों से छुटकारे के लिए मृत्यु हो गई है।

इब्रानियों 9:15. इब्रानियों 12:24. विश्वासी यीशु के पास आते हैं, जो एक नई वाचा का मध्यस्थ है, और छिड़के गए लहू के पास जो हाबिल के लहू से बेहतर बातें कहता है।

हाबिल, इब्रानियों 12:24. नई वाचा की पूर्ति में, परमेश्वर ने नए नियम के संतों को आशीर्वाद दिया है, इसलिए वे अब इसके लाभों का आनंद लेते हैं। परमेश्वर ने उन्हें अपनी आत्मा के द्वारा पुनर्जीवित किया है, और उसका वचन उनके भीतर वास करता है।

वह उनका है, और वे उसके हैं। विश्वासी, बूढ़े से लेकर जवान तक, जवान से लेकर बूढ़े तक, परमेश्वर को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं। वह उनके पापों की क्षमा की घोषणा पहले से कहीं ज्यादा करता है, ऐसा वह धर्मोपदेश और संस्कार दोनों में करता है।

हम अभी आंशिक रूप से नई वाचा की आशीषों का आनंद लेते हैं, लेकिन उन्हें पूरी तरह से केवल अनंत अवस्था में ही प्राप्त कर सकेंगे। विश्वासी लोग मसीह के लौटने पर नई वाचा के भविष्य के लाभों की प्रतीक्षा करते हैं। मरे हुए जी उठते हैं, और परमेश्वर के सभी लोग नई पृथ्वी पर हमेशा के लिए त्रिएक के साथ अनंत जीवन प्राप्त करेंगे।

निष्कर्ष। वाचाएँ, पुराने नियम में परमेश्वर की वाचाओं के हमारे अध्ययन का निष्कर्ष है, जो कि पुराने नियम में परमेश्वर के लोगों के बड़े विषय के प्रकाश में है। वाचाएँ पुराने नियम के परमेश्वर के लोगों को परिभाषित करती हैं क्योंकि किसी अन्य प्राचीन निकट पूर्वी देवता ने अपने और लोगों के बीच वाचा नहीं बाँधी।

यहोवा, जीवित और सच्चे परमेश्वर ने इस्राएल के साथ कई वाचाएँ बाँधीं। यहोवा उनका परमेश्वर है, और वे उसके लोग हैं। इन वाचाओं में समानताएँ हैं।

प्रभु ने प्रत्येक वाचा की शुरुआत की। उसने नूह, अब्राहम, मूसा और दाऊद से संपर्क किया और यिर्मयाह के माध्यम से एक नई वाचा की भविष्यवाणी की। परमेश्वर की वाचा-निर्माण उसके लोगों को प्रत्येक मामले में प्रतिक्रिया देने के लिए बाध्य करती है।

नूह ने जहाज़ बनाकर और उसमें परिवार, जानवर और भोजन लेकर परमेश्वर की आज्ञा का पालन किया। अब्राहम परमेश्वर का वाचा साथी है, अपने परिवार के पुरुषों का खतना करता है और इसहाक की बलि चढ़ाता है। इस्राएल मूसा की वाचा में परमेश्वर की आज्ञा का पालन करने का वादा करता है।

दाऊद अपने बेटे और राज्य के बारे में परमेश्वर की अनुग्रहपूर्ण वाचा के वादों को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता है। नई वाचा पूरी तरह से परमेश्वर और अनुग्रह की है, लेकिन यह उन मनुष्यों का दावा करती है जो बदले में परमेश्वर पर भरोसा करते हैं और उसके लिए जीते हैं। नूह की वाचा मानव जाति की शाश्वतता सुनिश्चित करती है ताकि परमेश्वर के लोग अब्राहमिक, मूसा की, दाऊद की और नई वाचाओं द्वारा लाए गए उद्धार का अनुभव कर सकें।

परमेश्वर अब्राहम को एक भूमि और एक वंश देने का वादा करता है जो एक लोग हैं और अंततः एक व्यक्ति है जो मसीह है। परमेश्वर, जिसने मूसा की वाचा में पृथ्वी पर सभी राष्ट्रों में से इस्राएल

को चुना, उन्हें अपनी अनमोल संपत्ति, राष्ट्रों और अपने पवित्र लोगों के लिए एक प्रकाश के रूप में दावा करता है। परमेश्वर उन्हें अपना नियम देता है, जिसका पालन करने का उन्होंने वादा किया था लेकिन वे बड़े पैमाने पर करने में असफल रहे।

फिर भी, परमेश्वर उनके पापों की क्षमा के लिए पुरोहिती और बलिदान भी प्रदान करता है, जो मसीह, परमेश्वर के मेमने और उसके लहू की ओर संकेत करते हैं। परमेश्वर दाऊद को उसके लिए घर बनाने की अनुमति नहीं देगा, लेकिन दाऊद की वाचा में उसके लिए एक घर बनाने की प्रतिज्ञा करता है, राजाओं का एक राजवंश जिसे परमेश्वर अनुशासित करेगा, लेकिन जिनसे वह अपना वफादार प्रेम कभी नहीं हटाएगा जैसा उसने शाऊल से किया था। यह राजवंश प्रभुओं के प्रभु और राजाओं के राजा, यीशु मसीह में परिणत होता है।

दूसरा, वाचाएँ क्रमिक रूप से एक दूसरे पर आधारित होती हैं। नूह की वाचा एक सतत मानव जाति की नींव प्रदान करती है, जिसमें परमेश्वर के लोग भी शामिल हैं। अब्राहम की वाचा अब्राहम के वंश, प्रभु यीशु मसीह के माध्यम से पृथ्वी पर सभी लोगों के लिए एक भूमि, एक लोग और एक आशीर्वाद प्रदान करती है।

दाऊद की वाचा में, परमेश्वर अपने लोगों के लिए नेतृत्व का वादा करता है जो उसके शहर, यरूशलेम में रहते हैं, उस भूमि में जिसका वादा उसने अब्राहम से किया था। दाऊद का महान पुत्र, जो परमेश्वर का पुत्र भी है, अपनी मृत्यु और पुनरुत्थान के साथ एक नई वाचा का उद्घाटन करता है। घर में उद्घरण अंकित है।

पॉल हाउस, *ओल्ड टेस्टामेंट थियोलॉजी*, पृष्ठ 319. चूंकि यह नई वाचा वाचा के लोगों की परिभाषा को बदल देगी, इसलिए इसे तोड़ा नहीं जा सकता, और इसलिए यह कभी समाप्त नहीं होगी। यह समझौता अब्राहम और दाऊद के साथ अनन्त वाचाओं को शामिल करेगा और हमेशा के लिए कायम रहेगा।

इन तत्वों के सुनिश्चित होने से, एकता, आंतरिककरण और क्षमा जैसे विवरण भी सुरक्षित हो जाएंगे। बीमार दिलों में ऐसा परिवर्तन लाने की शक्ति केवल परमेश्वर के पास है। यिर्मयाह 17:9 से तुलना करें। यिर्मयाह अपने दिनों में देखता है।

तीसरा, नया नियम अन्य उद्धार संबंधी नियमों को अपने मुकुट के रूप में अपने में समाहित करता है। नया नियम नई विषय-वस्तु प्रदान नहीं करता, बल्कि पुनर्जन्म में हृदयों पर परमेश्वर के नियम को लिखता है। मैं अपनी शिक्षा उनके भीतर डालूंगा और इसे उनके हृदयों पर लिखूंगा।

यिर्मयाह 31:33 परमेश्वर की नई वाचा प्रतिज्ञा। मैं उनका परमेश्वर होऊंगा, और वे मेरे लोग होंगे। अपने लोगों के साथ व्यक्तिगत संबंध में प्रवेश करने के लिए अन्य वाचाओं में अपने वादों को पूरा करता है। उत्पत्ति 17:7, निर्गमन 6:7, 2 शमूएल 7:13। उत्पत्ति 17:7, निर्गमन 6:7, 2 शमूएल 7:13। नई वाचा परमेश्वर के साथ इस व्यक्तिगत संबंध को सभी लोगों तक बढ़ाती है।

वे सभी मुझे जानेंगे, छोटे से लेकर बड़े तक। अंत में, नई वाचा परमेश्वर के इस सार्वभौमिक ज्ञान को अभूतपूर्व क्षमा पर आधारित करती है। क्योंकि मैं उनके अधर्म को क्षमा कर दूँगा और उनके पाप को फिर कभी याद नहीं करूँगा।

अंतिम उद्धरण, पद 34. हम पुराने नियम में कलीसिया के बारे में बात करना जारी रखते हैं, इस बार विभिन्न विषयों के साथ। परमेश्वर के लोग और उनका चुनाव।

परमेश्वर द्वारा अपने लिए लोगों का चुनाव नए नियम में चर्च को बनाने के लिए व्यक्तियों के चयन से शुरू नहीं होता है। बल्कि अब्राहम, इसहाक और याकूब को अपने चुने हुए राष्ट्र इस्राएल के पिता के रूप में चुनने से शुरू होता है। परमेश्वर द्वारा अब्राहम, इसहाक और याकूब का चयन।

पुराने नियम में परमेश्वर के चुने हुए प्रेम का मुख्य उद्देश्य इस्राएल राष्ट्र है। इस राष्ट्रीय चुनाव की जड़ें परमेश्वर द्वारा कुलपिता अब्राहम, इसहाक और याकूब के चुनाव में निहित हैं। वे परमेश्वर के संप्रभु अनुग्रह के अच्छे उदाहरण हैं।

परमेश्वर ने अब्राहम को उसके विश्वास या सद्गुण की दूरदर्शिता के आधार पर नहीं चुना, क्योंकि वह मूर्तिपूजकों के परिवार से था, जैसा कि यहोशू ने कहा था। यहोशू 24, दो से चार। हाउस परमेश्वर द्वारा अब्राहम के चुनाव की सटीक व्याख्या करता है।

उद्धरण, सभी व्यक्ति पाप से संक्रमित और प्रभावित हैं। इस तथ्य के परिणाम विनाशकारी रहे हैं। अब, परमेश्वर एक व्यक्ति की पहचान करता है जिसके माध्यम से परमेश्वर की योजना प्रकट की जा सकती है।

परमेश्वर द्वारा अब्राहम को चुने जाने से ईश्वरीय चुनाव की चल रही प्रथा की भी शुरुआत होती है। परमेश्वर अब्राहम को अपने जैसे मूर्तिपूजकों में से चुनता है, हालाँकि अब्राहम के पास उसे दिए गए कार्य के लिए विशेष गुण हो सकते हैं। फिर भी, परमेश्वर अब्राहम को उसी तरह चुनता है जिस तरह परमेश्वर स्वर्ग और पृथ्वी को बनाने का निश्चय करता है, उस विशुद्ध स्वतंत्रता से जो अद्वितीय, सर्व-पर्याप्त, आत्म-निहित परमेश्वर होने से आती है।

इस मामले में चुनाव, सिर्फ अब्राहम के लिए नहीं, बल्कि दुनिया के लिए परमेश्वर की दयालुता को साबित करता है। यह पॉल हाउस, *ओल्ड टेस्टामेंट थियोलॉजी*, पृष्ठ 73 है। वाचा राष्ट्र के पिता के रूप में अब्राहम को परमेश्वर द्वारा चुने जाने का अर्थ है अपने बेटे इसहाक और पोते याकूब को चुनना।

पवित्रशास्त्र स्पष्ट रूप से याकूब के जन्म से पहले परमेश्वर द्वारा उसके चयन के बारे में बताता है। जब रेबेका ने महसूस किया कि याकूब एसाव उसके गर्भ में संघर्ष कर रहा है, तो प्रभु ने उससे कहा, उद्धरण, तुम्हारे गर्भ में दो राष्ट्र हैं। दो लोग तुमसे निकलेंगे और अलग हो जाएँगे।

एक जाति दूसरे से अधिक शक्तिशाली होगी, और बड़े लोग छोटे लोगों की सेवा करेंगे, करीबी उद्धरण, उत्पत्ति 25:23। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, हम सीखते हैं कि परमेश्वर याकूब से प्रेम करता है और इसलिए इसहाक के उत्तराधिकारी के रूप में एसाव की जगह लेगा, मलाकी

1:1 और 2, रोमियों 9:13। जे. बार्टन पायने ने लिखा, उद्धरण, पूरे शास्त्र में बिना शर्त चुनाव का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण याकूब का है, उत्पत्ति 25:23।

बार्टन पेन के हवाले से कहा गया है कि उन्हें जन्म से पहले ही चुन लिया गया था। वह जुड़वाँ बच्चों में से एक थे, इसलिए मानवीय रूप से बराबर थे। वह दोनों में से छोटे थे, और अपने व्यक्तिगत चरित्र में, वह एक अनैतिक चालबाज थे।

वास्तव में, उसके जन्म से ही, इस उद्धरण के भीतर उद्धृत करते हुए, चुनाव के अनुसार परमेश्वर का उद्देश्य कार्यों के आधार पर नहीं, बल्कि बुलाने वाले के आधार पर हो सकता है, रोमियों 9:11। परमेश्वर ने उसे उसी क्षण वसीयतनामा का वादा भी दिया जब वह अपने अपराधों के परिणामस्वरूप घर से भाग रहा था, उत्पत्ति 28, 15, जे. बार्टन पायने, *द थियोलॉजी ऑफ़ द ओल्डर टेस्टामेंट*, पृष्ठ 179 को उद्धृत करते हुए। परमेश्वर द्वारा इस्राएल के राष्ट्र का चुनाव, परमेश्वर द्वारा अब्राहम, इसहाक और याकूब का चुनाव, अपने आप में एक अंत नहीं था।

उन्हें चुनने का उसका उद्देश्य उनसे एक राष्ट्र उत्पन्न करना था, एक महान राष्ट्र जिसके साथ वह वाचा में खुद को समर्पित करेगा और उसके लोग होने का दावा करेगा। व्यवस्थाविवरण में चार अंश इस बात की पुष्टि करते हैं। व्यवस्थाविवरण 4:37 और 38.

मुझे ESV पर जाना है। क्योंकि वह तुम्हारे पूर्वजों से प्रेम रखता है, अर्थात् यहोवा, और उनके बाद उनके वंश को चुन लिया, और अपनी उपस्थिति से अपनी बड़ी शक्ति से तुम्हें मिस्र से बाहर निकाला, और तुम्हारे आगे से उन जातियों को निकाल दिया जो तुमसे बड़ी और शक्तिशाली थीं, कि तुम्हें उनके देश का अधिकारी करके तुम्हें दे, जैसा कि आज के दिन है। व्यवस्थाविवरण 4:37, 38।

व्यवस्थाविवरण 7:6 से 8. क्योंकि तुम अपने परमेश्वर यहोवा के लिए पवित्र लोग हो। तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने पृथ्वी भर के सब लोगों में से तुम को अपने खजांची की निज प्रजा होने के लिए चुन लिया है। यहोवा ने तुम से प्रेम करके तुम्हें इसलिए नहीं चुना कि तुम संख्या में और सब लोगों से अधिक थे, परन्तु तुम तो सब लोगों में से थोड़े थे।

परन्तु यहोवा ने तुम को बलवन्त हाथ से निकाल कर दासत्व के घर से, अर्थात् मिस्र के राजा फिरौन के हाथ से छुड़ाया है, और इसलिये कि वह तुम से प्रेम करता है, और जो शपथ उसने तुम्हारे पूर्वजों से खाई थी, उसे वह पूरी कर रहा है। व्यवस्थाविवरण 7:6 से 8. व्यवस्थाविवरण 10:14 और 15. देख, स्वर्ग और पृथ्वी, स्वर्ग और सब से बड़ा स्वर्ग, और पृथ्वी और जो कुछ उस में है, वह सब यहोवा तेरे परमेश्वर का है।

फिर भी यहोवा ने तुम्हारे पूर्वजों से प्रेम किया और उनके बाद उनके वंश को चुना, और सब लोगों में से तुम को चुना, जैसा कि आज तुम हो। यह व्यवस्थाविवरण 10:14 और 15 है। व्यवस्थाविवरण 14:2 चौथा अंश है।

प्रभु ने पृथ्वी के सभी लोगों में से तुम्हें अपना निज भाग चुना है। सामूहिक रूप से, ये चार व्यवस्थाविवरण ग्रंथ सिखाते हैं कि एक, परमेश्वर स्वर्ग और पृथ्वी का प्रभु है। सब कुछ उसका है, जिसमें पृथ्वी पर सभी राष्ट्र शामिल हैं।

व्यवस्थाविवरण 4:39 और 10:14. दो, परमेश्वर ने सभी राष्ट्रों में से केवल इस्राएल को ही अपना लोग चुना, 10:15. वास्तव में, पृथ्वी के सभी लोगों में से, 7: 6, 14:2. तीन, परमेश्वर ने इस्राएल को इसलिए नहीं चुना क्योंकि वे सभी लोगों से अधिक संख्या में थे, चार, वे सभी लोगों में सबसे कम थे, 7:7. परमेश्वर ने उन्हें इसलिए नहीं चुना क्योंकि उसने उनमें क्या देखा था.

चौथा, परमेश्वर ने इस्राएल को इसलिए चुना क्योंकि वह कुलपिताओं से प्रेम करता था, 4:37, 10:15। इस्राएल के प्रति उसका प्रेम और चुनाव ही उसे मिस्र की गुलामी से छुड़ाने, 4:37, 7:8, और उन्हें वादा किया हुआ देश देने, 4:38 के लिए उसकी प्रेरणा है। अपने चुनाव के जवाब में, परमेश्वर अपने लोगों से अपेक्षा करता है कि वे स्वीकार करें कि केवल वही परमेश्वर है, 4:39, 7:9, और उसकी आज्ञा का पालन करें, 4:40, 7:9, 10:13, 16:14, 1 से 10।

यह स्वीकार करना कि वह अकेला ही परमेश्वर है, 4:39, 7:9, और उसकी आज्ञा मानना, 4:40, 7:9, 10:13, और 16, 14:1 और 2। परमेश्वर ने अपने लोगों इस्राएल को बनाने के लिए अब्राहम, इसहाक और याकूब को चुना। परमेश्वर ने ऐसा एक उद्देश्य के लिए किया था। अब्राहम को बुलाते समय, परमेश्वर ने उसे एक भूमि देने का वादा किया ताकि वह एक महान राष्ट्र बन सके और उसके माध्यम से पृथ्वी पर सभी लोगों को आशीर्वाद दे सके, उत्पत्ति 12:1 से 3। परमेश्वर अपने बुलावे की शुरुआत से ही एक मिशन पर था।

अब्राहम द्वारा इसहाक की बलि देने के बाद, परमेश्वर ने अब्राहम को आशीर्वाद दिया और उससे एक महान राष्ट्र लाने के अपने वादे की पुष्टि की, उत्पत्ति 22:17। तब परमेश्वर ने कहा, उद्घरण, पृथ्वी के सभी राष्ट्र तुम्हारे वंश से धन्य होंगे क्योंकि तुमने मेरी आज्ञा का पालन किया है, श्लोक 18। अंततः, यह वादा यीशु मसीह के व्यक्तित्व और कार्य में पूरा होता है, गलातियों 3:7 से 9। क्रिस राइट ने परमेश्वर के अपने मिशन को फिर से उद्धृत करते हुए, इस्राएल के चुनाव और दुनिया के लिए उसके मिशन के बीच संबंध पर जोर दिया।

परमेश्वर ने इस्राएल को इसलिए नहीं चुना कि केवल वे ही बचाए जाएँ, मानो उनके साथ ही चुनाव का उद्देश्य समाप्त हो गया हो। उन्हें इसलिए चुना गया था कि वे एक ऐसा माध्यम हों जिसके द्वारा पृथ्वी भर में दूसरों को उद्धार दिया जा सके। इस्राएल का चुनाव मूल रूप से मिशनरी है, न कि केवल उद्धारक।

परमेश्वर द्वारा अब्राहम को बुलाना और उसका चुनाव केवल इसलिए नहीं था कि वह बचाया जाए और उन लोगों का आध्यात्मिक पिता बने जो अंततः नई सृष्टि में छुड़ाए गए लोगों में से होंगे। बल्कि यह और भी स्पष्ट था कि वह और उसके लोग वह साधन बनें जिनके माध्यम से परमेश्वर उस बहुराष्ट्रीय भीड़ को इकट्ठा करेगा जिसकी गिनती कोई पुरुष या महिला नहीं कर सकता। परमेश्वर के लोग और उनका बंधन से छुटकारा।

जैसा कि निर्गमन में कहा गया है, ईश्वर के पुराने नियम के लोगों की पहचान मिस्र की गुलामी से ईश्वर द्वारा उनके शक्तिशाली उद्धार में गढ़ी गई थी। यह ईश्वर को इस्राएल के उद्धारकर्ता, एक योद्धा ईश्वर के रूप में प्रस्तुत करता है जो विपत्तियों और निर्गमन में फिरौन के विरुद्ध अपनी शक्ति दिखाता है। स्टुअर्ट ने निर्गमन 6:6 से 8 में इस्राएलियों को मुक्त करने के ईश्वर के वादे को, उद्धारण, एक रूपरेखा कहा है कि वह उनके लिए क्या कर रहा है और एक परिभाषा है कि उन्हें उसके संबंध में खुद के बारे में कैसे सोचना चाहिए।

उद्धारण बंद करें, स्टुअर्ट, *निर्गमन* पृष्ठ 34. वॉकी संक्षिप्त है, उद्धारण, पुराने नियम में उद्धार का संकेत कार्य मिस्र से इजरायल का पलायन है। उद्धारण बंद करें, वॉकी, पुराने नियम का धर्मशास्त्र 390.

इस महान कार्य में, परमेश्वर अपने छुड़ाए हुए लोगों को अपने लिए, मिस्र में दासों के रूप में दावा करता है। 400 वर्षों तक, इस्राएल मिस्र की गुलामी में तड़पता रहा। पीढ़ियों तक कष्ट सहने के बाद, इस्राएलियों ने परमेश्वर को पुकारा, जिसने उनकी मदद के लिए पुकार सुनी और, उद्धारण, अब्राहम, इसहाक और याकूब के साथ अपनी वाचा को याद किया, निर्गमन 2:24।

इस्राएल खुद को बचाने में असमर्थ था। जैसा कि स्टुअर्ट ने कहा, मिस्र में इस्राएली गुलामों का एक गैर-नागरिक गिरोह थे, जिनके पास अपनी कोई ज़मीन नहीं थी या उन्हें ज़मीन मिलने की कोई मानवीय उम्मीद नहीं थी। लेकिन परमेश्वर ने उनके लिए अपनी वाचा की योजनाओं को नहीं छोड़ा और उन्हें पृथ्वी की सबसे बड़ी महाशक्ति के वर्चस्व से एक शक्तिशाली हाथ से बाहर निकाला, न केवल एक निर्जन अस्तित्व के लिए बल्कि स्थायी निवास के स्थान पर।

स्टुअर्ट, *निर्गमन* पृष्ठ 38. मेरे बेटे, पुराने नियम में परमेश्वर के पिता को केवल 15 बार पुकारा गया है, जो कि अकेले यूहन्ना के सुसमाचार की तुलना में बहुत कम है, जो 118 बार ऐसा करता है। पुराने नियम में परमेश्वर के पुत्र शब्द इस्राएल राष्ट्र, उसके राजा और कभी-कभी व्यक्तिगत इस्राएलियों पर लागू होते हैं।

यहाँ परमेश्वर मूसा से बात करते हुए इस्राएल को अपना पुत्र कहता है, दोनों ही तरीकों से, एक गर्मजोशी से और एक चुनौती से। निर्गमन 4:21 से 23. निर्गमन 4:21.

और यहोवा ने मूसा से कहा, जब तू मिस्र वापस जाए, तो देख कि तू विश्वास करता है, और फिरौन के सामने वे सारे चमत्कार करता है जो मैंने तेरे हाथ में सौंपे हैं, परन्तु मैं उसका मन कठोर कर दूंगा, ताकि वह लोगों को जाने न दे। तब तू कहना, यहोवा यों कहता है, कि इस्राएल मेरा जेठा है, और मैं तुझ से कहता हूँ, कि मेरे बेटे को जाने दे कि वह मेरी सेवा करे। यदि तू उसे जाने न दे, तो देख, मैं तेरे जेठे बेटे को मार डालूंगा।

निर्गमन 4:21 से 23. मूसा अभी भी मिद्यान में था जब परमेश्वर ने उसे फिरौन के सामने वे चिन्ह दिखाने को कहा जो परमेश्वर ने उसे दिए थे। फिरौन ने इस्राएल को जाने देने से इनकार कर दिया, और परिणामस्वरूप परमेश्वर ने मिस्र का न्याय किया।

इस अंश में दो ज्येष्ठ पुत्रों का उल्लेख किया गया है: ईश्वर का ज्येष्ठ पुत्र, निर्गमन 4:22, और फिरौन का, श्लोक 23। स्टुअर्ट बताता है कि कैसे मूसा को फिरौन को यह बताना था कि इस्राएल का ईश्वर के साथ घनिष्ठ और कोमल सुरक्षित संबंध पिता के ज्येष्ठ पुत्र के रूप में है और इसे मिस्र के ज्येष्ठ पुत्र की प्रतीक्षा कर रहे घातक भाग्य से अलग करना था, जो फिरौन के पुत्र में व्यक्तिगत रूप से प्रकट हुआ था। उद्धरण बंद करें, स्टुअर्ट, निर्गमन पृष्ठ 150।

क्रिस राइट ने ईश्वर द्वारा इस्राएल को अपना पुत्र कहने के महत्व को स्पष्ट किया है। उद्धरण, इस्राएल को ईश्वर के पुत्र के रूप में संबोधित किया जाता है, एकवचन, जिसे ईश्वर द्वारा संप्रभुतापूर्वक अस्तित्व में लाया गया था। इस्राएल का श्रेय प्रभु की रचनात्मक या प्रजनन क्रिया को जाता है क्योंकि प्रभु ने उन्हें अस्तित्व में लाया।

राष्ट्र को प्रभु ने गोद नहीं लिया था, बल्कि उसने ही बनाया था। इसके अलावा, इस्राएल अपनी पसंद और कार्य से उसका पुत्र नहीं है, बल्कि प्रभु द्वारा उनके चुनाव से है। यह वास्तव में वाल्टके, *ओल्ड टेस्टामेंट थियोलॉजी* 543, क्रिस राइट, गॉड्स पीपल इन गॉड्स लैंड, पृष्ठ 21 को उद्धृत करते हुए है।

मेरे लोग। इसके विपरीत, फिरौन प्रभु को नहीं जानता, और मिस्रवासी परमेश्वर के लोग नहीं हैं। यह कहने का एक वाचागत तरीका है कि परमेश्वर इस्राएल के बारे में बात करता है।

परमेश्वर इस्राएल को अपना पुत्र कहने से ठीक पहले, उन्हें अपने लोग कहता है। लेकिन मैं फिरौन के दिल को कठोर कर दूँगा ताकि वह लोगों को जाने न दे। निर्गमन 421.

मूसा की वाचा में प्रवेश करते समय, प्रभु कहते हैं, मैं तुम्हें अपने लोगों के रूप में स्वीकार करूँगा, और मैं तुम्हारा परमेश्वर बनूँगा। निर्गमन 6, 7. परमेश्वर नई वाचा में प्रतिज्ञा करता है। मैं उनका परमेश्वर बनूँगा, और वे मेरे लोग होंगे।

यिर्मयाह 31:31. मूसा और हारून ने फिरौन से कहा, इस्राएल का परमेश्वर यहोवा यों कहता है, मेरी प्रजा को जाने दे। कि वे जंगल में मेरे लिये पर्व मनाएं।

निर्गमन 5 :1. फिरौन ने उत्तर दिया, यहोवा कौन है कि मैं उसकी आज्ञा मानकर उसे जाने दूँ? इस्राएल चले जाओ। मैं यहोवा को नहीं जानता। और मैं इस्राएल को जाने नहीं दूँगा।

निर्गमन 5:2. हाउस बताते हैं कि प्राचीन मिस्र के लगभग 40 देवी-देवताओं के नाम ज्ञात हैं। हाउस, *ओल्ड टेस्टामेंट थियोलॉजी*, पृष्ठ 98. फिरौन शायद इनमें से कुछ को जानता था, लेकिन वह अपने लोगों, इस्राएल के परमेश्वर यहोवा को नहीं जानता था।

परमेश्वर फिरौन से अपनी पहचान नहीं छिपाता, बल्कि बार-बार घोषणा करता है, मैं प्रभु हूँ। सात बार मूसा फिरौन से कहता है, मेरे लोगों को जाने दे। और परमेश्वर अपने वचन को संकेतों के साथ पुष्ट करता है।

पहले नौ विपत्तियों को परमेश्वर के नाम से संबंधित तीन समूहों में बांटा जा सकता है। पहले तीन मिस्र की भूमि, दूसरे तीन और पूरी पृथ्वी, तीसरे तीन हैं। मूसा और हारून के कारण, फिरौन अनिच्छा से प्रभु के बारे में जानता है, लेकिन वह उसे व्यक्तिगत रूप से अपने प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में कभी नहीं जान पाएगा।

विपत्तियों से पहले, परमेश्वर ने मूसा को फिरौन के लिए अपने इरादों की घोषणा की और इस तरह अपना नाम प्रकट किया। निर्गमन 6:1 से 5. लेकिन यहोवा ने मूसा से कहा, अब तुम देखोगे कि मैं फिरौन के साथ क्या करूँगा। क्योंकि वह बलवन्त हाथ से उन्हें बाहर भेजेगा, और बलवन्त हाथ से उन्हें अपने देश से बाहर निकाल देगा।

परमेश्वर ने मूसा से कहा, "मैं यहोवा हूँ। मैं सर्वशक्तिमान परमेश्वर के रूप में अब्राहम, इसहाक और याकूब को दर्शन देता हूँ। परन्तु मैं अपने नाम यहोवा से उन पर प्रगट नहीं हुआ।"

मैंने उनके साथ अपनी वाचा भी स्थापित की है कि उन्हें कनान देश दिया जाए, वह देश जिसमें वे परदेशी के रूप में रहते थे। इसके अलावा, मैंने इस्राएल के लोगों की कराह सुनी है, जिन्हें मिस्री लोग गुलाम बनाकर रखते हैं, और मैंने अपनी वाचा को याद किया है। इसलिए इस्राएल के लोगों से कहो, मैं यहोवा हूँ, और मैं तुम्हें मिस्रियों के बोझों के नीचे से निकालूँगा, और मैं तुम्हें उनके दासत्व से छुड़ाऊँगा, और मैं अपनी भुजा बढ़ाकर और न्याय के महान कार्यों के द्वारा तुम्हें छुड़ाऊँगा।

उदार विद्वान इस मामले पर बहस करते हैं, लेकिन इस पाठ का यह मतलब नहीं है कि यहोवा निर्गमन 6, 3 से पहले प्रकट नहीं हुआ था। क्योंकि उत्पत्ति नाम का उपयोग करती है। उदाहरण के लिए, उत्पत्ति 2, 4 और 12, 8। शास्त्र में विरोधाभासों को पेश करने या इसे दिव्य नामों की घटनाओं के आधार पर स्रोतों में विभाजित करने के बजाय, जॉन सैलहैमर एक सरल समाधान प्रदान करता है। वह, उद्धरण, बताता है कि निर्गमन 6, 1 में कुलपतियों के एल शद्दाई और मूसा के यहोवा के बीच किया गया अंतर अंतरंगता का है, उद्धरण बंद करें।

पॉल हाउस *ओल्ड टेस्टामेंट थियोलॉजी* जॉन सैलहैमर का हवाला देते हुए, *द पेंटाटेच ऐज़ नैरेटिव, ए बाइबिलिकल थियोलॉजिकल कमेंट्री*, पेज 2, 5, 1. यहोवा ने खुद को उत्पत्ति में दर्शनों में प्रकट किया, लेकिन निर्गमन में वह मूसा से आमने-सामने बात करता है। विडंबना यह है कि मिस्र के लोग मिस्र से निर्गमन में परमेश्वर के लोगों में शामिल हो गए। उद्धरण, इस्राएलियों ने रामसेस से सुक्कोत तक यात्रा की, जहाँ लगभग 600,000 सक्षम पुरुष अपने परिवारों के अलावा पैदल चल रहे थे।

उनके साथ मिली-जुली भीड़ भी गयी। निर्गमन 12:37, 38. यह अब्राहम से किए गए परमेश्वर के वादे को आंशिक रूप से पूरा करता है।

पृथ्वी पर सभी लोग तुम्हारे द्वारा आशीर्वादित होंगे। उत्पत्ति 12: 3. परमेश्वर द्वारा छुड़ाए गए लोग। जब समय आया, तो परमेश्वर ने 400 साल पहले अब्राहम से किया अपना वचन पूरा किया।

उद्धरण, यह निश्चित रूप से जान लो। तुम्हारी संतानें 400 साल तक एक ऐसे देश में विदेशी रहेंगी जो उनका नहीं है और उन्हें गुलाम बनाया जाएगा और उन पर अत्याचार किया जाएगा। हालाँकि, मैं उस राष्ट्र का न्याय करूँगा जिसकी वे सेवा करते हैं, और उसके बाद, वे बहुत सारी संपत्ति लेकर बाहर निकल जाएँगे।

उत्पत्ति 15:13 और 14. परमेश्वर ने अपने लोगों को गुलामी से छुड़ाया। उसने यह सब एक साथ नहीं किया, बल्कि विपत्तियाँ भेजीं और फिर अपने लोगों को पलायन पर ले गया।

निर्गमन 3:16 से 22. इस्राएलियों को जाते देख मिस्री इतने खुश हुए कि उन्होंने उन्हें चाँदी और सोने की चीज़ें और कपड़े दिए। चाँदी और सोने की चीज़ें और कपड़े।

निर्गमन 12:35, 36. उत्पत्ति 15:13 और 14 में कई साल पहले अब्राहम से किया गया परमेश्वर का वादा अनजाने में पूरा हो गया। यहोवा, जीवित और सच्चे परमेश्वर और फिरौन, मिस्र के देवताओं के बीच युद्ध शुरू हो गया।

फिरौन जिद्दी है। पहले तो ऐसा लगा कि उसके जादूगर ने मूसा के संकेतों से मेल खाया, शायद शैतानी शक्ति से। फिर परमेश्वर ने हारून के ज़रिए पूरे मिस्र में धूल को मच्छरों में बदल दिया।

मिस्रवासी चाहे जितना प्रयास करें, वे इस कार्य को दोहरा नहीं सकते थे और उन्होंने स्वीकार किया कि, यह ईश्वर की उंगली है। निर्गमन 8:19। इसका अर्थ है कि यह एक अलौकिक कार्य था।

फिर भी, फिरौन ने हार नहीं मानी। उद्धरण, कुल मिलाकर, निर्गमन 4:21 और निर्गमन 14:17 के बीच, परमेश्वर ने फिरौन के हृदय को दस बार कठोर किया और फिरौन ने भी उतनी ही बार अपने हृदय को कठोर किया। हाउस, *ओल्ड टेस्टामेंट थियोलॉजी*, पृष्ठ 95.

कभी-कभी, फिरौन छोटी-मोटी रियायतें देता है। 8:25. दूसरी बार, ऐसा लगता है कि वह पश्चाताप करता है।

9:27. 10:16. और इस्राएल को जाने की अनुमति देता है।

8:28, 29. 9:27, 28. लेकिन जब वह विपत्ति दूर हो जाती है, तो वह अपने वचन से मुकर जाता है।

8:30 से 32. 9:33 से 35. निःसंदेह, परमेश्वर मिस्र के देवताओं के विरुद्ध विपत्तियाँ भेजता है।

क्योंकि आखिरी विपत्ति के साथ, वह कहता है, उद्धरण, मैं यहोवा हूँ। मैं मिस्र के सभी देवताओं के खिलाफ न्याय निष्पादित करूँगा। निर्गमन 12:12।

परमेश्वर कुछ विपत्तियाँ केवल मिस्रियों पर ही डालता है। वह उनके और अपने लोगों के बीच अंतर करता है। परमेश्वर विपत्तियों को इस्राएलियों को नुकसान नहीं पहुँचाने देगा, और वह मिस्रियों पर बरसने वाली विपत्तियों के प्रभावों से गोशेन को बचाता है।

8:22, 23. 9:4, 6, 26:11, 7:12, 13.

एक बार फिर. 8:22, 23:9 बनाम 4, 6 और 26.

11:7. 12:13. इस तरह, वह फिरौन और उसके लोगों को दिखाता है कि इस्राएली परमेश्वर के लोग हैं जिनकी वह परवाह करता है और उनकी रक्षा करता है। स्टुअर्ट, मक्खियों के झुंड की बात करते हुए, इसे अच्छी तरह से व्यक्त करता है।

यहाँ उद्धरण, पाठकों के ध्यान में यह तथ्य लाता है कि विपत्तियाँ, प्राकृतिक घटनाएँ होने से बहुत दूर, स्वाभाविक रूप से उत्पन्न हुई थीं, और प्रकृति ने अपना सिर घुमाया। प्रकृति को उसके निर्माता द्वारा असामान्य तरीके से कार्य करने का आदेश दिया गया था जो मिस्रियों के लिए भयावह रूप से भयावह था, इस्राएलियों के लिए आश्चर्यजनक रूप से आश्चस्त करने वाला था, और इस विपत्ति में, यहाँ तक कि फिरौन के लिए भी, एक दिव्य, शक्तिशाली कार्य का स्पष्ट प्रमाण था जो एक दिव्य मांग की सेवा में था। स्टुअर्ट, *एक्सोडस*, पृष्ठ 215।

बेशक, यहोवा के अपने लोगों के प्रति विशिष्ट व्यवहार का सार यह है कि जब यहोवा ने अपने लोगों के ज्येष्ठ पुत्रों को उनके द्वारों पर खून लगाया तो उन्होंने उन्हें नहीं छोड़ा। निर्गमन 11:7 और 12:13. इस्राएल को छुड़ाया गया, लेकिन मिस्र में बहुत रोना-धोना हुआ, क्योंकि ऐसा कोई घर नहीं था जहाँ कोई न कोई मरा हो।

निर्गमन 12:30. इस व्याख्यान को समाप्त करते हुए, इस्राएल के छुटकारे के परिणाम। परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को मिस्र की गुलामी से मुक्त करना पुराने नियम का सबसे बड़ा उद्धार है, जिसे कभी नहीं भुलाया जा सकता।

लेकिन यहोवा ने तुम्हें चुना, उद्धरण, और तुम्हें इस्राएल की लोहे की भट्टी से बाहर निकाला ताकि तुम उसकी विरासत के लिए एक लोग बनो, जैसा कि तुम आज हो। आज, पहचानो और याद रखो कि यहोवा ही स्वर्ग में, ऊपर और पृथ्वी पर परमेश्वर है। कोई दूसरा नहीं है।

व्यवस्थाविवरण 4:20 और 4:39. मिस्र छोड़ने के तीन महीने बाद, इस्राएली सिनाई के जंगल में पहुँचे, जहाँ उन्होंने अगले 10 महीनों तक पहाड़ की तलहटी में डेरा डाला। यहाँ, परमेश्वर ने उनके साथ सिनाई वाचा में प्रवेश किया।

उसने ऐसा उनके साथ एक राष्ट्र के रूप में किया, न कि केवल एक परिवार या जनजाति के रूप में। यह परमेश्वर के पुराने नियम के लोगों, इस्राएल की विशिष्टता पर जोर देता है। परमेश्वर ने मूसा के माध्यम से उनसे कहा, अब यदि तुम ध्यान से मेरी बात सुनोगे और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो तुम सभी लोगों में से मेरी निजी संपत्ति होगे।

हालाँकि पूरी पृथ्वी मेरी है, फिर भी तुम मेरे राज्य, याजक और मेरे पवित्र राष्ट्र होगे। निर्गमन 19 :5 और 6. परमेश्वर, जो पूरी पृथ्वी का स्वामी है, इस्राएल को अपना वाचा भागीदार बनाता है और उन्हें विशेष दर्जा देता है। प्राचीन निकट पूर्व के राष्ट्रों में अद्वितीय रूप से, परमेश्वर इस्राएल को अपना होने का दावा करता है।

उसने संसार के लिए अपने उद्धार की योजना के केंद्र के रूप में इस्राएल को चुना। स्टुअर्ट, निर्गमन पृष्ठ 38. सिनाई में, परमेश्वर अपने छुड़ाए हुए लोगों को एक नई पहचान प्रदान करता है।

उन्हें दस आज्ञाएँ देने से पहले, वह उनसे आग्रह करता है कि वे उसकी आज्ञा का पालन करें ताकि वे तीन गुना पहचान का आनंद उठा सकें। वे परमेश्वर की अनमोल सम्पत्ति, याजकों का राज्य और एक पवित्र राष्ट्र होंगे। सबसे पहले, वह उन्हें मेरी अनमोल सम्पत्ति कहता है।

पद 5. निर्गमन 19:5. यह शब्द, सेगुला, पुराने नियम में राजा के निजी भाग्य के लिए इस्तेमाल किया गया है, जैसा कि हमने पहले कहा था, अपने राज्य को संचालित करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सामान्य भंडार के मुकाबले वह अपनी इच्छानुसार इसका इस्तेमाल करता है। निर्गमन 19:5 में, यह इस्राएल को राजा की निजी संपत्ति के रूप में इंगित करता है, जिसका स्वामित्व केवल उसके पास है और जिसका इस्तेमाल वह अपने विवेक से करता है। वाल्टके, *ओल्ड टेस्टामेंट थियोलॉजी* 407.

परमेश्वर अपने लोगों को अपनी पसंद और प्रेम का पात्र बनाकर उन्हें मूल्यवान बनाता है। दूसरा, जब इस्राएली यहोवा की वाचा का पालन करते हैं, तो वह उन्हें याजकों के राज्य में बदल देता है, 19:6। उद्घरण, अपनी आज्ञाकारिता के द्वारा, वे राष्ट्रों के लिए मैं हूँ का प्रतिनिधित्व करते हैं और राष्ट्रों को मेरी ओर मोड़ने और मुझ पर भरोसा करने का साधन बनते हैं, जो उन्हें सिखाता और उनकी रक्षा करता है। परमेश्वर चाहता है कि वे अन्य राष्ट्रों के लिए मिशनरी लोग बनें।

वाल्टके, *ओल्ड टेस्टामेंट थियोलॉजी* 407 फिर से। तीसरा, इस्राएल को परमेश्वर का पवित्र राष्ट्र होना चाहिए। उसकी आज्ञाओं का पालन करके, परमेश्वर के लोग दुनिया के सामने यहोवा के चरित्र को प्रदर्शित करते हैं और एक पवित्र राष्ट्र बन जाते हैं।

जब वे प्रभु की आज्ञा मानते हैं, तो वह उन्हें पवित्र करता है और बदले में उन्हें अन्य लोगों को पवित्र करने के लिए इस्तेमाल करता है। जब 400 से अधिक वर्षों तक मिस्र में उनकी भयानक गुलामी के परिप्रेक्ष्य से देखा जाता है, तो इस्राएलियों का उद्धार गौरवशाली है। वे परमेश्वर के प्रिय पुत्र, उसके छुड़ाए हुए लोग, उसका खजाना, याजकों का एक राज्य और एक देखने वाली दुनिया के सामने उसके संत बन जाते हैं।

हमारे अगले व्याख्यान में, हम परमेश्वर के लोगों और उनके परमेश्वर के बारे में बात करेंगे और कैसे परमेश्वर स्वयं उनके लोगों के रूप में उनकी पहचान को परिभाषित करने में मदद करता है।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा चर्च के सिद्धांतों और अंतिम बातों पर उनके शिक्षण में है। यह सत्र संख्या चार है, पुराने नियम में परमेश्वर के लोग, भाग 2।